

၁၀၆

- အမျိုးသမီးတို့ သိတော်ဝရှာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၁)
 အမျိုးသမီးတို့ သိတော်ဝရှာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၂)
 အမျိုးသမီးတို့ သိတော်ဝရှာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၃)
 အမျိုးသမီးတို့ သိတော်ဝရှာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၄)
 အမျိုးသမီးတို့ သိတော်ဝရှာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၅)
 အမျိုးသမီးတို့ သိတော်ဝရှာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၆)
 ပထမကြောင်ဆရာတော်ကြီး ပိန့်တော်မူသော
 လူတို့သိစရာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၁)
 ပထမကြောင်ဆရာတော်ကြီး ပိန့်တော်မူသော
 လူတို့သိစရာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၂)
 ပထမကြောင်ဆရာတော်ကြီး ပိန့်တော်မူအပ်သော
 လူတို့သိစရာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၃)
 ပထမကြောင်ဆရာတော်ပိန့်တော်မူအပ်သော
 လူတို့သိစရာ ရဟန်ပိန္ဒည်း အပိုင်း (၄)
 ဆရာဝင်နှင့် ရဟန်ပိန္ဒည်း
 ဘရားဂေါ်ပကနှင့် ရဟန်ပိန္ဒည်း
 ဝေသုတေသနပို့ဆို အရက်အကျိုး
 အပိုင်း အပိုပါ ဖြေစွမ်းခွဲ
 ဘရားကိုယ်စား သာသနပြုနေသူများ
 "ကိုယ် မကျင့်နိုင်လျှင် မနေ သူတစ်ပါး ကျင့်သည်ကို
 မစောင်းခြင်သိတော် ပထမ်းတို့ မေတ္တာ"

10

- | | |
|----|---|
| ၁၃ | - ခုခံရှိက်ဖြင့် ကြီးမွားနေသူများ |
| ၂၄ | - သင် ရိုနဲ့ပြုကျင်တတိပြုလား |
| ၂၅ | - အလျှို့စိန့် မဟာအလျို့ |
| ၂၆ | - ပျက်စီးပို့ရာ အကြောင်းတစ်ရပ် |
| ၂၇ | - ရတန်းနှင့် ရည်ရွေးသား |
| ၂၈ | - လျှေတွေက ဘုန်းကြီးတွေကို ဘာကြောင့် အရာ |
| ၂၉ | - ပါ့်ဘာသာကို ချစ်မြှတ်နိုးကြပါ |
| ၃၀ | - အိမ်ပယ်စုံ ညာတစ်ည့် |
| ၃၁ | - တို့ကျောင်းက လူထွက်နှင့် သင်တန်းပေးနေတဲ့ |
| ၃၂ | - ရတန်းနှင့် ပရိက္ခရာ (၈) ပါး |
| ၃၃ | - ခရီးသွားရာ သပိတ်နှင့် ရေစစ် ယဉ်သွားရမည် |
| ၃၄ | - ခုလုဘရဟန်းတို့အပေါ် တာဝန်ကြင်းမဲ့ခြင်း |
| ၃၅ | - ရွှေတောင်ကုန်းဆရာတော်နှင့် ရဟန်းပို့နည်း |
| ၃၆ | - မင်္ဂလာရှိသော မြှင့်ကျင်း |
| ၃၇ | - ခေတ်သစ် သောကုဇ္ဈိုင်း |
| ၃၈ | - အရှင်တက်ချိန်ပြဿနာ |
| ၃၉ | - အကြောက်တရားတို့ဖြင့် ရှင်သန်ခြင်း |
| ၄၀ | - ဝိနည်းရိုင်များနှင့် သံသယ |
| ၄၁ | - တို့မတတ်နိုင်၊ တို့မဆိုင်၊ ငင်းမိုင်နေကြလျှင် |
| ၄၂ | - မင်္ဂလာတိုင်းရဟန်းယုတ် |
| ၄၃ | - ရဟန်းယုတ်၏ နိုင်း |
| ၄၄ | - လျှို့ဝှက်ပုန်းပို့နေရသော သာသနာ |
| ၄၅ | - အဓမ္မပြင်စုံ အမြင်မှန်အောင် ကြုံးစားနှင့် |
| ၄၆ | - ရတန်းသည် သူတောင်းစား မဟုတ်ပါ။ |
| ၄၇ | - ဝိနည်းဆောင် ရဟန်းများ ဖြစ်ပါလျှင် လူနောက်တည်းနှင့် တည်းနှင့်ခြင်းအကြောင်း |
| ၄၈ | - ကြောက်စရေကောင်းသော အပြင် |
| ၄၉ | - အနိုးရွှေအလို လိုက်မှာပေး။ ဘုရားအလိုလိုကိုမှ |
| ၅၀ | - ဝိုးသာပါ၏၏ သို့သော် ... |

- | | | |
|-----|--|-----|
| ၁၅ | - သာသနဂါသနှင့်ရေး လုပ်ဖို့တော့ လိုပြီ | ၁၃၃ |
| ၁၆ | - နောက်မျက်ရည် | ၁၃၆ |
| ၁၇ | - ခန္ဓာကိုယ်တွေ့ပေါ်ထားကြသူ့ | ၁၄၁ |
| ၁၈ | - သတိမထားပါကသော မျှော်ရှယ် | ၁၄၂ |
| ၁၉ | - ပစ္စုနှင့်ဘဝ် နှဲ့ချိန်ရရေးလုပ်စဉ် | ၁၄၃ |
| ၂၀ | - နောက်ဘဝ် နှဲ့ချိန်ရရေးလုပ်စဉ် (ပါရမီဖြည့်ရေးလမ်းစဉ်) | ၁၄၄ |
| ၂၁ | - ရဟန္တထံ တရားအားထုတ်မှ တရားရမှာလား | ၁၄၅ |
| ၂၂ | - ပါးစဉ်ဆိတ် စားနှုန်း ပြောနိုင် | ၁၄၆ |
| ၂၃ | - သံပိုကပစွည်းနှင့် ပြိုလွှာများ အပိုင်း (၁) | ၁၄၀ |
| ၂၄ | - သံပိုကပစွည်းနှင့် ပြိုလွှာများ အပိုင်း (၂) | ၁၄၁ |
| ၂၅ | - သံပိုကပစွည်းနှင့် ပြိုလွှာများ အပိုင်း (၃) | ၁၄၂ |
| ၂၆ | - ကျောင်းလည်း စောင့်၊ မယားလည်း စောင့် | ၁၄၄ |
| ၂၇ | - ညာဏာနေကြတာ မကောင်းပါဘူး | ၁၄၅ |
| ၂၈ | - ဒါကြောင့် စာသင်တိုက် တည်ထောင်တာ | ၁၄၅ |
| ၂၉ | - ကျောင်းအာဖြစ် သိတင်းသုံးတော်မူပါ | ၁၄၆ |
| ၂၁၀ | - ရောနောက် စားချင်သူနှင့် အစားထိုး၍ စားချင်သူ | ၁၄၇ |
| ၂၁၁ | - ပါရမီမထုတ်သော ဒါန် | ၁၄၈ |
| ၂၁၂ | - သာသနအားဖြတ် ကာကွယ်ရေး | ၁၄၀ |
| ၂၁၃ | - ဂိန်းအခိုက စာသင်တိုက်များ တည်ထောင်ရေး | ၁၄၁ |
| ၂၁၄ | - ဘာသာမြားတွေကြောင့် သာသနကွယ်မည်ဟား | ၁၄၂ |
| ၂၁၅ | - မတရားသော ကာသံရှာမှုပြီး | ၁၄၅ |
| ၂၁၆ | - အင်းလိပ်စာသင်၍ လုပ်ကိုရွှေ့ခြင်းအကြောင်း | ၁၄၆ |
| ၂၁၇ | - သက်နှုန်းရောင်ကို စာတွေ့လက်တွေ့သုတေသနပြုခြင်း | ၁၄၈ |
| ၂၁၈ | - မအစ်စုံသော သက်နှုန်းရောင်များ | ၁၄၈ |
| ၂၁၉ | - ကျို့ကြည့်ထက် ကျို့ညီးစာက် | ၁၄၁ |
| ၂၂၀ | - သက်နှုန်းပါ ဆင်မြှုန်းကာ ပျက်စီးရှာကြလေ | ၁၄၂ |
| ၂၂၁ | - သာသနအတွက် တိုက်ပွဲဝင်ခဲ့သူ | ၁၄၄ |
| ၂၂၂ | - စာအုပ်ကိုပင် ကြည့်ဖြေပါစေ | ၁၄၇ |

40

- | | | |
|-----|---|-----|
| ၁၇၈ | - သံသယဖြစ်အောင် မလုပ်ပါ | JJ၀ |
| ၁၈၂ | - ကမ္မဝါတိနိဇ္ဈာန့် ဆက်စပ်၍ ပိဋ္ဌသော ဥပါဒကား | JJ၁ |
| ၁၈၃ | - သာသနပြုရှိသူများ | JJ၂ |
| ၁၈၅ | - သာသနဆိုတာ ဘာလ | JJ၂ |
| | - ဂိသာခါဟို ဘုရားမိန့်တော်မူသည် တွေသော ဓကားတစ်ရိပ် | JJ၃ |
| ၁၈၆ | - ကိုယ့်အလုပ် ကိုယ်လုပ်ပါ | JJ၄ |
| ၁၈၉ | - ရဟန်းတို့ (အာပတ်အသင့်များ၏) သတိထားစရာ ပါစိတ်အာပတ်များ | JJ၅ |
| ၁၉၂ | - တုရားရှင်နှင့် ဆုတ်း ပြဿနာ | JJ၆ |
| ၁၉၃ | - မြင့်မြင်တောင် ပြဿနာ | JJ၇ |
| ၁၉၅ | - မကောင်းသုက္ခာ ကဲ့ခဲ့ရှုံး အပြစ်ဖြစ်ပါသေး | J၂၀ |
| ၁၉၇ | - အမိန့်တော်ပြန်တမ်း၏ ကိုင်းဝယ်ကိုများ | J၂၂ |
| ၁၉၈ | - သီချင်းဆိုတဲ့ ကိုယ်တော်တွေ ဓာတ်၏အနေ | J၂၄ |
| ၁၉၉ | - မယားပါ သာသနပိုင်ပါကွယ် | J၂၅ |
| ၂၀၀ | - ကွဲ၏ သို့သော် မကွဲပါ | J၂၆ |
| ၂၀၂ | - ဝန်ခံချက် ယူနှစ် လိုသေးလား | J၂၇ |
| ၂၀၃ | - ရဟန်းဆိုးကို ကိုယ်ကွယ်ရပြုး အပြစ် | J၂၀ |
| ၂၀၅ | - အသက်သွင်းသော်လည်း အသက်မဝင်ခဲ့သော ဥပဒေများ | J၂၂ |
| ၂၀၇ | | |
| ၂၀၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂၁၃ | | |
| ၂၁၄ | | |
| ၂၁၅ | | |
| ၂၁၆ | | |
| ၂၁၇ | | |
| ၂၁၈ | | |
| ၂၁၉ | | |
| ၂၁၀ | | |
| ၂၁၁ | | |
| ၂၁၂ | | |
| ၂ | | |